मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 172, मुंबई, शनिवार, 13 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

केंद्र सरकार की कोविड को लेकर राज्यों को चेतावनी

15 अगस्त पर बड़ी सभाएं करने से बचें

नई दिल्ली। देश में रोजाना कोविड-19 के औसतन 15,000 से अधिक मामले सामने आने के बीच केंद्र ने राज्यों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए कोई बड़ी सभा नहीं हो और सभी लोग कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का पालन करें। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के प्रत्येक जिले के प्रमुख स्थानों पर स्वच्छ भारत अभियान चलाने और स्वैच्छिक नागरिक भागीदारी के माध्यम से इन्हें स्वच्छ बनाए रखने के लिए एक पखवाड़े और महीने भर तक जारी रखने को कहा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महाराष्ट्र में सरकार जाते ही कांग्रेस-शिवसेना में तकरार

कांग्रेस बोली- शिवसेना के साथ गठबंधन स्थायी नहीं, हम हालात के चलते साथ आए

मुंबई। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी गठबंधन (एमवीए) सरकार को गए डेढ़ महीना भी नहीं बीता है, लेकिन कांग्रेस और शिवसेना में अभी से तकरार दिखने लगी है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने शुक्रवार को कहा कि उद्धव ठाकरे की पार्टी के साथ उनका गठबंधन स्वाभाविक और स्थायी नहीं है। जिस समय शिवसेना से गठबंधन हुआ था, उस दौरान परिस्थितियां अलग थीं। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महाराष्ट्र के 608 ग्राम पंचायतों के चुनाव की तारीख जारी

18 सितंबर को होगा चुनाव

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के 51 तालुके की 608 ग्राम पंचायतों के चुनाव की तारीख घोषित हो गई है। ग्राम पंचायतों के सदस्यों समेत सरपंचों का भी चुनाव सीधे जनता द्वारा किया जाएगा। चुनाव 18 सितंबर 2022 को होगा। आचारसंहिता लागू हो गई है। काउंटिंग 19 सितंबर को किया जाएगा। इसकी घोषणा शुक्रवार, 12 अगस्त राज्य चुनाव आयोग के आयुक्त यू.पी. एस मदान ने की। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शायद मुझमें काबिलियत नहीं, शिंदे कैबिनेट में जगह न मिलने पर नाराज पंकजा मुंडे का दर्द

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। बीजेपी नेता पंकजा मुंडे ने महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के हालिया विस्तार के दौरान उन्हें कैबिनेट में स्थान नहीं मिलने पर बृहस्पतिवार को कहा कि शायद उनमें इसके लिए 'पर्याप्त योग्यता' नहीं है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

न्यूड फोटोशूट केस में रणवीर सिंह से होगी पूछताछ

मुंबई पुलिस ने एक्टर को बुलाया, महिलाओं की भावनाएं आहत करने का था आरोप

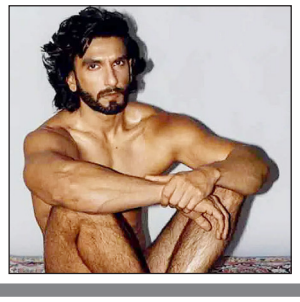

मुंबई। न्यूड फोटोशूट मामले में रणवीर सिंह को मुंबई पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्टर को 22 अगस्त के दिन हाजिर रहने के लिए कहा है। मुंबई पुलिस के कुछ ऑफिसर रणवीर के मुंबई स्थित घर पहुंचे थे। दरअसल, रणवीर पर मुंबई के एक एनजीओ ने एफआईआर दर्ज कराई थी। उन पर आरोप लगाया गया था कि रणवीर ने सोशल मीडिया पर न्यूड फोटोज शेयर कर महिलाओं की भावनाओं को आहत किया है। एनजीओ ने कहा था कि एक्टर ने अपनी न्यूड फोटोज से महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है और उनका अपमान किया है। इसलिए ट्विटर और इंस्टाग्राम से उनकी फोटो हटाई जाए। शिकायतकर्ता ने कहा कि रणवीर को गिरफ्तार किया जाए। उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 509, 292, 293 आईटी एक्ट के सेक्शन 67ए के तहत केस दर्ज हुआ है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अपराधी नेताओं को सजा?

आजकल सर्वोच्च न्यायालय में एक बड़ी मजेदार याचिका पर बहस चल रही है। उसमें मांग की गई है कि जिस भी विधायक या सांसद को आपराधिक मामलों में सजा दी गई हो, उसे जीवन भर के लिए राजनीति से बाहर क्यों नहीं किया जाए? अभी 1951 के जन-प्रतिनिधित्व कानून के मुताबिक यदि किसी नेता को सजा मिलती है तो छह वर्ष तक वह न तो कोई चुनाव लड़ सकता है और न ही किसी राजनीतिक दल का पदाधिकारी बन सकता है। छह साल के बाद वह चाहे तो फिर दनदना सकता है। अब यदि ऐसे नेताओं पर जीवन भर का प्रतिबंध लग जाए तो क्या हमारी राजनीति का शुद्धिकरण नहीं होगा? ऐसे कड़े प्रतिबंध के डर के मारे नेता लोग अपराध आदि करने से क्या बचे रहना नहीं चाहेंगे? इस याचिका को पेश करनेवाले अश्विन उपाध्याय का तर्क है कि यदि एक पुलिसवाला या कोई सरकारी कर्मचारी किसी अपराध में जेल भेज दिया जाता है तो उसकी नौकरी हमेशा के लिए खत्म हो जाती है या नहीं? जहां तक नेता का सवाल है, उसके लिए राजनीति सरकारी नौकरी की तरह उसके जीवन-यापन का एक मात्र साधन नहीं होती है। वह तो जन-सेवा है। उसका शौक है। उसकी प्रतिष्ठा पूर्ति है। राजनीति से बाहर किए जाने पर वह भूखा तो नहीं मर सकता है। इस तर्क का समर्थन भारत के चुनाव आयोग ने भी किया है लेकिन चुनाव आयोग स्वयं तो किसी कानून को बदल नहीं सकता। उसके पास नया कानून बनाने का अधिकार भी नहीं है। ऐसे में सरकार चाहे तो वह कुछ ठोस पहल कर सकती है। वह संसद में प्रस्ताव लाकर ऐसा कानून जरुर बना सकती है लेकिन कोई भी सरकार ऐसा कानून क्यों बनाना चाहेगी? यदि वह ऐसा कानून बना दे तो उसके कई बड़े-बड़े नेता राजनीति से बाहर हो जाएंगे। देश के अनेक केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक साधारण अपराधियों की तरह जेल की हवा खा चुके हैं और कई तो अभी जेल में ही सड़ रहे हैं। मैं उनके नाम यहां नहीं गिना रहा हूं। यदि उनके विरुद्ध वैसा कानून बन गया तो देश की राजनीति में भूकंप आ जाएगा। यह भी ठीक है कि कई नेताओं को उनकी विरोधी सरकारों ने बनावटी आरोपों के आधार पर सींखचों के पीछे धकेल दिया था। इसके अलावा यदि सत्तारुढ़ पार्टी अपने किसी प्रबल विरोधी नेता को राजनीति से बाहर करने के लिए इस कानून का सहारा ले लेगी तो कोई आश्चर्य क्यों होगा? इसीलिए इस याचिका पर फैसला देते हुए अदालत को कई मुद्दों पर विचार करना होगा। बीच का रास्ता यह भी हो सकता है कि राजनीति से अपराधियों के निर्वासन की अवधि 6 साल से बढ़ाकर 10 साल कर दी जाए। 10 साल में तो अच्छे-खासे नेताओं की भी हवा खिसक जाती है। राजनीति को अपराधियों से मुक्त करना बहुत जरुरी है लेकिन वास्तविक पश्चात्ताप करनेवालों को दुबारा मौका क्यों नहीं दिया जा सकता है?

हम करें तो सशक्तिकरण आप करें तो रेवड़ी!

यह नहीं हो सकता है कि एक पार्टी की सरकारें नागरिकों को जो सुविधाएं दें उनको सशक्तिकरण माना जाए और दूसरी पार्टियों की सरकारों द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं को रेवड़ी कल्चर कहा जाए। इसका फैसला और परिभाषा यह ध्यान में रख कर तय की जानी चाहिए कि निश्चित रूप से नागरिकों को निःशुल्क सुविधाएं देने से सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है लेकिन वह सरकारी खजाना भी नागरिकों की मेहनत की कमाई और उनके टैक्स से ही भरता है। अगर भारत एक अविकसित देश है और करोड़ों लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं तो उन्हें किसी भी तरह से वो सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी और यह सरकारों की जिम्मेदारी है।

मुफ्त की चीजें बांटने या 'रेवड़ी कल्चर' की बहस थम नहीं रही है। उलटे यह बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दलों के साथ साथ सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग भी इस बहस में शामिल हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों इस पर रोक लगाने के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाने का सुझाव दिया था, जिसमें सर्वोच्च अदालत का कहना था कि इसमें केंद्र सरकार के साथ साथ विपक्षी पार्टियों, चुनाव आयोग, नीति आयोग, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य संस्थाओं के साथ साथ सभी हितधारकों को शामिल किया जाए। बाद में चुनाव आयोग ने एक हलफनामा देकर अपने को इससे अलग करने को कहा क्योंकि वह एक संवैधानिक निकाय है और वह पार्टियों व दूसरी सरकारी या गैर सरकारी संस्थाओं के साथ किसी समिति में नहीं रह सकती है।

असल में चुनाव आयोग इस बात से चिंतित है कि सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई और उसके मीडिया रिपोर्टिंग से यह धारणा बन रही है कि वह इस मामले को रोकने के लिए गंभीर नहीं है। परंतु सवाल है कि चुनाव आयोग गंभीर होकर भी क्या कर सकता है, जबकि इस बात की कोई परिभाषा ही तय नहीं है कि किस चीज को 'मुफ्त की चीज बांटना' या 'रेवड़ी कल्चर' कहेंगे? भारत एक लोक कल्याणकारी राज्य है इसलिए यहां नागरिकों के हितों की रक्षा करना और उनको बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकारों की जिम्मेदारी होती है। सो, सबसे पहले तो यह तय करना होगा कि बुनियादी सुविधाएं क्या हैं, जिन्हें उपलब्ध कराना है और मुफ्त की सुविधाएं क्या हैं, जिन्हें नहीं उपलब्ध कराना है। केंद्र सरकार के एक मंत्री ने कहा कि 'सशक्तिकरण' और 'रेवड़ी कल्चर' में बहुत बारीक फर्क है। उनके कहने का मतलब है कि केंद्र सरकार जो सुविधाएं दे रही है वह नागरिकों का 'सशक्तिकरण' करना है लेकिन विपक्ष जो सुविधाएं दे रहा है या देने की घोषणा कर रहा है वह 'रेवड़ी कल्चर' है।

यह सचमुच बहुत बारीक फर्क है और इसे राजनीति के नजरिए से देख कर परिभाषित करना हमेशा जोखिम भरा काम होगा। उसमें गलती की गुंजाइश रहेगी। मिसाल के तौर पर केंद्र सरकार देश के किसानों को हर महीने पांच सौ रुपए 'सम्मान निधि' देती है। इसे साल में तीन किश्तों में दो-दो हजार रुपए के हिसाब से दिया जाता है। यह किसानों को उनके सशक्तिकरण के लिए दिया जाता है। इसी तरह आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में हर वयस्क महिला को एक हजार रुपए महीना देने का वादा किया था, जिसे उनकी राज्य सरकार पूरा कर रही है। अब उन्होंने यहीं वादा गुजरात में किया है। अरविंद केजरीवाल यह काम महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कर रहे हैं। जिस तरह से किसान मुश्किल झेल रहे हैं और हाशिए में हैं वैसे ही महिलाएं भी तमाम बातों के बावजूद वंचित समूह में आती हैं। उनको अगर सशक्त बनाने के लिए नकद दिया जाता है तो वह किसानों को दिए जाने वाले सम्मान निधि से अलग नहीं हो सकता है। दोनों या तो सशक्तिकरण हैं या दोनों रेवड़ी कल्चर का हिस्सा हैं।

इसमें संदेह नहीं है कि कई राज्य सरकारें एक सौ से लेकर तीन सौ यूनिट तक बिजली फ्री दे रही हैं, जिनकी वजह से बिजली आपूर्ति करने वाली कंपनियों से लेकर उत्पादन करने वाली कंपनियों और कोयला कंपनियों की स्थिति पर नकारात्मक असर हुआ है। उनके भुगतान में देरी हुई है और उनका कर्ज बढ़ा है। लेकिन यह सिर्फ इस वजह से नहीं है कि सरकारें लोगों को सस्ती या मुफ्त की बिजली दे रही हैं। यह सरकारों की कमी है कि वे बिजली कंपनियों के भुगतान में देरी कर रही हैं। सरकारें वंचित या आर्थिक रूप से कमजोर तबके को सस्ती या मुफ्त की बिजली दे रही है तो उसकी वसूली मध्य वर्ग और उच्च मध्य वर्ग से कर रही हैं। जिन घरों में बिजली का ज्यादा इस्तेमाल होता है वहां फिक्स्ड चार्ज से लेकर बिजली के चार्ज और टैक्स आदि बहुत ज्यादा होते हैं, जिनसे सरकार के खजाने में पैसा आता है। ऊपर से सरकारें इसके लिए सब्सिडी तय करती हैं। अगर वे समय पर भुगतान करें तो बिजली कंपनियों पर ज्यादा असर नहीं होगा। भारत में आजादी के बाद से निःशुल्क या सस्ती कीमत पर राशन उपलब्ध कराने की व्यवस्था रही है। पीने का साफ पानी निःशुल्क उपलब्ध कराना सरकारों की जिम्मेदारी रही है। दशकों से सरकारें सस्ते आवास देती रही हैं। उसी में दिल्ली की सरकार ने सात-आठ साल पहले सस्ती या मुफ्त बिजली जोड़ दी। आजादी के बाद से ही केंद्र में चाहे जिसकी सरकार रही वह देश के नागरिकों का निःशुल्क टीकाकरण कराती रही है। भारत चेचक से लेकर मलेरिया, हैजा या पोलियो जैसी बीमारियों से मुक्त हुआ है तो उसका कारण निःशुल्क टीकाकरण है। लेकिन केंद्र की मौजूदा सरकार ने कोरोना की वैक्सीन निःशुल्क लगवाई तो उसने मुफ्त में टीका लगवाने का ऐसा प्रचार किया, जिसकी मिसाल नहीं है। इसके लिए पूरे देश से धन्यवाद भी आमंत्रित किया गया, जैसे भाजपा के एक सांसद ने लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री करोड़ों लोगों को ह्यफ्री फंडह्ण में खाना दे रहे हैं तो उनका धन्यवाद दिया जाना चाहिए। सो, पिछले आठ साल में केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद सम्मान निधि, फ्री फंड के खाने या फ्री फंड की वैक्सीन का ज्यादा प्रचार हुआ है। अब खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इसके खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ी है।

तभी जरूरी है कि संवैधानिक संस्थाओं को शामिल करने या न्यायपालिका से कोई फैसला कराने से पहले सरकार पहल करे और सभी पार्टियों को बुला कर इस पर विचार करे। इसकी एक सीमा तय करे कि देश के नागरिकों को क्या सुविधा देना सशक्तिकरण की श्रेणी में आएगा और किस चीज को फ्री फंड की चीज माना जाएगा। यह नहीं हो सकता है कि एक पार्टी की सरकारें नागरिकों को जो सुविधाएं दें उनको सशक्तिकरण माना जाए और दूसरी पार्टियों की सरकारों द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं को रेवड़ी कल्चर कहा जाए। इसका फैसला और परिभाषा यह ध्यान में रख कर तय की जानी चाहिए कि निश्चित रूप से नागरिकों को निःशुल्क सुविधाएं देने से सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है लेकिन वह सरकारी खजाना भी नागरिकों की मेहनत की कमाई और उनके टैक्स से ही भरता है। अगर भारत एक अविकसित देश है और करोड़ों लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं तो उन्हें किसी भी तरह से वो सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी और यह सरकारों की जिम्मेदारी है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर शिवसेना की पूर्व नगरसेवक सुधीर भगत द्वारा तिरंगा झंडा वितरण किया गया

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर शिवसेना के पूर्व नगरसेवक सुधीर भगत द्वारा तिरंगा झंडा वितरण किया गया दरअसल आपको बताते चलें आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों के अंदर राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करना है देश के पंतप्रधान मोदी जी द्वारा अभियान के तहत 11 से 13 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान किया गया है इसी के चलते सभी संस्थाओं एनजीओ द्वारा देशवासियों से अपील की जा रही है की अपने अपने घरों में तिरंगा झंडा जरूर लगाएं वहीं दूसरी ओर शिवसेना के पूर्व नगरसेवक सुधीर भगत द्वारा संजय नगर परिसर में तिरंगा अभियान चलाया गया जिसमें उनके द्वारा सभी वर्ग के लोगों हिंदू मुस्लिम सभी समुदाय के घरों में दुकानों में मस्जिदों में जाकर तिरंगा झंडे का वितरण किया गया इस

अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए सुधीर भगत ने बताया कि अभी 75 वर्ष आजादी को पूरे हो गए हैं और जो आजादी का अमृत महोत्सव का अभियान चलाया जा रहा है वह बड़ी खुशी की बात है जिसके चलते हर घर में तिरंगा नजर आएगा उन्होंने आजादी में शहीद हुए स्वतंत्र सेनानियों चंद्रशेखर आजाद भगत सिंह मौलाना आजाद की याद ताजा करते हुए बताया कि आज उन्हीं लोगों के वजह से हमारे बाल बच्चे चैन की सांस ले रहे हैं उनके द्वारा देश के प्रति दिया गया बलिदान को कभी इतिहास द्वारा भुलाया नहीं जा सकता आज देश को आजादी के 75 वर्ष पूरे हो चुके हैं हम लोगों को भी चाहिए कि जिस तरह से हम ईद और दीवाली की खुशी मनाते हैं उस तरह से देश के आजादी का दिन स्वतंत्र दिवस की खुशी बनाएं उन्होंने सभी वर्ग के लोगों को आजादी के अमृत महोत्सव की शुभकामनाएं दी और बताया कि हमारी संस्था हेल्पिंग हैंड्स द्वारा 400 लोगों को तिरंगा झंडा वितरण किया गया और लोगों से अपील की है स्वतंत्र दिवस की खुशियां बड़े धूमधाम से मनाएं उनके साथ उपस्थित सूफी साहब ने बताया कि हम लोग मुसलमान हैं और हमारे में भेदभाव नाम की कोई चीज नहीं है हम लोग हमेशा मिलजुल कर रहते हैं मुसलमान ने हमेशा जोड़ा है तोड़ने की कोशिश कभी नहीं की है लेकिन कुछ लोग हैं जो भेदभाव पैदा करके आपस में बुराई पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं और देश को जातिवाद हिंदू मुसलमान के नाम पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हम लोग कभी ऐसा होने नहीं देंगे उन्होंने अपने पड़ोसी मराठा व्यक्ति की मिसाल देते हुए बताया कि वह व्यक्ति कहता है सूफी साहब आप महान हैं क्योंकि हम लोग हमेशा उसके दुख और सुख में हमेशा खड़े रहते हैं।

कम कीमत पर ऑडी देने का झांसा देकर डॉक्टर को ठगा, 34 लाख लेने के बाद भी नहीं दी कार

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां कांदिवली पश्चिम के बाबासाहेब अंबेडकर अस्पताल में काम करने वाले एक डॉक्टर को एक कार डीलर ने ठगी का शिकार बनाया है। जिसने कम कीमत में ऑडी कार का झांसा देकर बेचने की पेशकश की थी। वहीं, डीलर ने डॉक्टर से वादा किया था कि वह उसे 63 लाख रुपये की ऑडी 34 लाख रुपए में बेचेगा। लेकिन अगस्त से सितंबर 2021 के बीच कार डीलर ने डॉक्टर से 34 लाख ले लिए, मगर, गाड़ी सौंपी नहीं। हालांकि, इस मामले में कांदिवली पुलिस का कहना है कि, आरोपी डीलर ने डॉक्टर को 9 लाख रुपये लौटा दिए, बकाया रकम में से कुछ के चेक बाउंस हो गए हैं, फिलहाल मामले

की जांच की जा रही है। दरअसल, मुंबई के कांदिवली पश्चिम में डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर नगर अस्पताल में तैनात ड़ॉक्टर बोरीवली पश्चिम के रहने वाले डॉ रोशन झा (34) ने अपने मित्र से पता चला कि उसने ऑडी ए -6 को 25 लाख रुपए में खरीदा है। जिसे उसने मलाड पश्चिम के रहने वाले कार डीलर प्रशांत चौधरी से ऑड़ी कार खरीदने के लिए 25 लाख रुपए का भुगतान किया था, जबकि कार की शोरूम कीमत 63 लाख थी। ऐसे में उसने कार खरीदने के लिए डीलर से मिलने की बात कहीं। कांदिवली पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी ने बताया कि अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टर से डीलर ने 25 लाख रुपए की ठगी की। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इसी तरह से आरोपी ने कई लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि शुरूआत में कई लोगों को कम कीमत पर कार दी थी, जिसके बाद लोगों से रुपए लेकर उन्हें कार नहीं सौंपी। इसी दौरान पीड़ित डॉक्टर को कार डीलर 34 लाख रुपए में ऑडी ए-6 देने के लिए तैयार हो गया। इसके लिए उसने आरटीओ के एक एजेंट से भी संपर्क किया, जहां उसने अपनी पसंद के एक फैंसी नंबर के लिए 15 हजार रुपए का भुगतान किया।

दरगाह दर्शन के लिए गए दो युवक मीठी नदी में डूबे, एक की मौत, दूसरा लापता

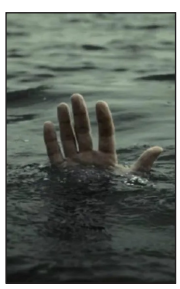

मुंबई। मुंबई के माहिम कॉस्वे में मीठी नदी में दो युवकों के डूबने की खबर है। दोनों युवक कुर्ला से माहिम दरगाह दर्शन के लिए गए थे। देर रात घर लौटते समय कुछदेर के लिए दोनो माहिम कॉस्वे के खाड़ी पास खड़े थे। तभी एक युवक का पैर पानी के बहाव के चलते फिसला और वह नीचे गिर गया। इसी बीच उसे बचाने दूसरा युवक कूदा, लेकिन मीठी नदी के बहाव में दोनों डूब गए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई उसका शव बरामद किया गया है। जबकि दूसरे की तलाश जारी है। जावेद शेख नामक व्यक्ती का शव फायर ब्रिगेड ने बरामद कर लिया है। वहीं लापता दूसरे युवक आशिफ की तलाश जारी है। इससे पहले भी प्रदेश में डूबने की घटनाएं सामने आती रही हैं। पुणे जिले के चकन इलाके में पानी से भरे एक गहरे गड्ढे में डूबकर तीन नाबालिग भाई-बहनों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि चकन के समीप अंबेथन गांव में एक खेत पर पानी से भरे गड्ढे में नहाने के दौरान चार से आठ साल के इन बच्चों की डूबकर मौत हो गयी। उन्होंने कहा कि राकेश किशोर दास (पांच), उसका भाई रोहित (आठ) और बहन श्वेता (चार) गड्ढे में उतरे थे जिसे उनके पिता ने खेत पर खोदा था और उसमें बारिश का पानी इकट्ठा हो गया था।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

केंद्र सरकार की कोविड को लेकर राज्यों को चेतावनी

मंत्रालय ने कहा कि एहतियात के तौर पर कोविड-19 के खिलाफ, समारोह में बड़ी सभाओं से बचा जाना चाहिए। यह जरूरी है कि कोविड-19 के दिशानिर्देशों का पालन किया जाए। देश में बीते 24 घंटे में कोविड-19 के 16,561 नए मामले आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,42,23,557 हो गई है, जबकि उपचाराधीन मरीज 1,23,535 हैं। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 49 लोगों की मृत्यु होने से मृतक संख्या बढ़कर 5,26,928 हो गई है। मौत के इन 49 मामलों में वो 10 लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने संक्रमण से हुई मौत की सूची में डाले हैं। गृह मंत्रालय ने सरकारी विभागों और शैक्षणिक संस्थानों को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाने के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाने को भी कहा है। दिल्ली में कोरोनावायरस के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अगस्त के शुरूआती 10 दिनों में ही कोरोना के करीब 20 हजार मामले सामने आ चुके हैं। दिल्ली में संक्रमण दर एक अगस्त को 11.41 फीसदी थी और 822 मामले मिले थे। जबकि अब संक्रमण दर 20 फीसदी तक पहुंच गई है। दो अगस्त को 1506 मामले आए थे जबकि 3 अगस्त को संख्या 2000 पार कर गई। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने भी यह स्वीकार किया है कि कोरोना के मामले बढ़े हैं, लेकिन वैक्सीनेशन की वजह से लोग जल्दी ठीक हो जा रहे हैं। देश में अब तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 4 करोड़ के पार जा चुकी है। 19 दिसंबर 2020 को देश में पहली बार एक करोड़ का आंकड़ा पार किया था। इसके बाद 4 मई 2021 को कोरोना संक्रमितों की संख्या 2 करोड़ और 23 जून को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के मामलों ने चार करोड़ का आंकड़ा छुआ था।

महाराष्ट्र के 608 ग्राम पंचायतों के चुनाव की तारीख जारी

मदान ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के 17 मई 2022 के आदेश के मुताबिक जिन इलाकों में बरसात की वजह चुनाव प्रभावित होने की संभावनाएं नहीं हैं, उन इक्यावन तालुके के छह सौ आठ ग्राम पंचायतों के चुनाव का कार्यक्रम जारी किया गया है। राज्य चुनाव आयोग ने संबंधित जिलाधिकारियों को यह आदेश दिया है कि जिन ग्राम पंचायतों के चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया गया है, वहां ज्यादा बरसात या बाढ़ या ऐसी कोई प्राकृतिक आपदा से जुड़े हालात पैदा हों तो इस बारे में चुनाव आयोग को वे तत्काल रिपोर्ट भेजें। घोषित किए गए चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक संबंधित तहसीलदार 18 अगस्त 2022 को चुनाव से संबंधित नोटिस पब्लिश करेंगे। नामांकन का काम 24 अगस्त से 1 सितंबर तक पूरा किया जा सकेगा। 27,28 और 31 तारीख को सार्वजनिक छुट्टियों की वजह से नामांकन दाखिल नहीं किया जा सकेगा। इसके बाद नामांकनपत्रों की जांच 2 सितंबर 2022 को होगी। नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 6 सिंतबर के दोपहर 3 बजे तक तक होगी। मतदान 18 सितंबर को सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होगा। मतगणना 19 सितंबर को होगी। पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिश में तय किए गए अनुपात में इस चुनाव में पिछड़े वर्ग के लिए सीटें तय की गई हैं।

महाराष्ट्र में सरकार जाते ही कांग्रेस-शिवसेना में तकरार

पटोले ने विधान परिषद में विपक्ष के नेता के तौर पर शिवसेना के अंबादास दानवे की नियुक्ति पर भी नाराजगी जताई।उन्होंने कहा कि यह पद कांग्रेस को दिया जाना चाहिए था। एनसीपी और शिवसेना ने मिलकर दोनों पद आपस में बांट लिए हैं। शिवसेना ने हाल ही में अपनी पार्टी के अंबादास दानवे को विधान परिषद में विपक्ष का नेता बनाया था। पटोले ने आरोप लगाया कि कांग्रेस को विश्वास में लिए बिना यह कदम उठाया गया। पटोले ने कहा- विधानसभा में एनसीपी की ओर से विपक्ष का नेता बनाया गया, जबकि परिषद के उपाध्यक्ष का पद शिवसेना को दिया गया है। पटोले ने कहा कि विपक्ष का नेता कांग्रेस की ओर से होना चाहिए था, लेकिन हमसे पूछे बिना फैसला लिया गया। हम इस मुद्दे को उठाएंगे। हम इस मामले पर शिवसेना से बात करने को तैयार हैं। अगर वे बात नहीं करना चाहते, तो यह उनकी चिंता है। हमने उनके साथ एक अलग स्थिति में गठबंधन किया था। यह हमारा स्वाभाविक या स्थायी गठबंधन नहीं है।

शायद मुझमें काबिलियत नहीं...

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में विस्तार के तहत पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना धड़े के नौ मंत्रियों और उनके बीजेपी सहयोगियों के नौ नेताओं ने शपथ ग्रहण की थी। इस मंत्रिमंडल विस्तार में किसी महिला को स्थान नहीं दिए जाने के कारण शिंदे की आलोचना हो रही है।

चलती मेट्रो में पहली बार फैशन रनवे का आयोजन

मुंबई। महिला अचीवर्स ने वंचित महिलाओं द्वारा बनाए गए भारतीय जातीय पोशाक का जश्न मनाने के लिए रैंप वॉक का आयोजन नवरंग बाय काव्यकृष्ण आणि ब्लू बिलयन ग्रुप द्वारा वनाज से गरवारे कॉलेज तक पुणे मेट्रो में, 9 महिला अचीवर्स ने विरासत में भारतीय कला रूपों में खूबसूरती से तैयार की गई, हाथ की कढ़ाई वाले टुकड़ों को प्रदर्शित करने के लिए रनवे पर कदम रखा। कॉन्सेप्ट, नवरंग बाय काव्या कृष्ण, में 9 रंगों में 9 महिलाएं थीं, जो कपास, रेशम, मुल्मुल, ऑर्गेना, शिफॉन, जॉर्जेट, क्रेप जैसे स्वदेशी कपड़ों में भारतीय जातीय पोशाक पहनती थीं। विरासत का उपयोग करते हुए भारतीय कला रूपों को माँ से बेटी तक - जैसे छाया काम, मोती का काम, गोटा पाटी, कराची काम, अबला काम, क्रोकेट, अरी कढ़ाई और हमारी पसंदीदा लखनवी चिकनकारी! मॉडल को प्रतिभाशाली सुपर मॉडल श्रीमती स्वाति जैन द्वारा तैयार किया गया था और इसमें विभिन्न क्षेत्रों की 11 से 51 वर्ष की महिलाएं शामिल थीं - अधिवक्ता, प्रौद्योगिकी, आतिथ्य, वित्त, गृहिणी और यहां तक कि एक पैरा ओलंपियन के पेशेवर। इनमें सानिका वैद्य, औजस्वी कोंधरे, मनीषा जाखोटिया, शरवरी सदोलीकर, ज्योति कांबले, सीमा विचारे, मारिया जोआना, श्वेता उकांडे, टुर्निशा चक्रवर्ती, सिरी शेट्टी, अंजलि सिन्हा, सोनल पवार, अनघा गावड़े और प्रियंका आवाले शामिल हैं। मिस शारवरी गावंडे सह ने शो की थीम और समन्वय किया। कौशल और रोजगार के साधन के साथ वंचित सामाजिक आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों की अधिक महिलाओं और लड़कियों को शामिल करने के लिए इस ब्रांड की पहुंच को अधिकतम करने के लिए जुड़ाव और गतिविधियों की एक श्रृंखला की योजना बनाई गई है। डॉ किशोर नवंदर, सीएमडी ब्लू बिलियन ग्रुप और महा मेट्रो, पुणे ने शहर के यात्रियों के लिए एक ऐतिहासिक कार्यक्रम बनाने के लिए हाथ मिलाया - एक चलती मेट्रो में पहला फैशन रनवे। रनवे रंग का एक दंगा था और यात्रियों ने खुशी में शामिल होकर इस उत्सव का हिस्सा बनने के लिए उत्साह के साथ नृत्य किया। टी मनोज कुमार, डीजीएम, एमएमआई और टीपी, महामेट्रो, पुणे ने अपना समर्थन दिया और समुदाय और कारणों का निर्माण करने वाली गतिविधियों के लिए मेट्रो के उपयोग को प्रोत्साहित किया।लेखक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक डॉ. तिलक तंवर थे, ऑल इंडिया रेडियो आरजे और संपादक आरती मल्होत्रा, श्री ऑगस्टिन दलभंजन, निदेशक, यूबीएस बिजनेस सॉल्यूशन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ने इस प्रोग्राम का समर्थन किया। डिजाइनर और सह-संस्थापक, काव्या कृष्ण, श्रीमती अर्चना शुक्ला ने कहा की, काव्या कृष्ण हमें कम विशेषाधिकार प्राप्त युवा महिलाओं को कौशल प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने का विशेषाधिकार देते हैं कि वे अपने पैरों पर खड़े होने के लिए सुसज्जित हैं। डॉ नवंदर ने जोर देकर कहा की, समय की जरूरत है कि जमीनी स्तर पर आर्थिक स्वतंत्रता को सक्षम बनाया जाए और जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित किया जाए।

मानव सेवा समिति के सेवादारों ने जन्मदिन के मौके पर शहर में लगाए पौधे ओर ट्री गार्ड

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन अबोहर। मानव सेवा समिति अबोहर क्षेत्र में समाजसेवी कार्यों में अग्रणी संस्थाओं में से एक है और संस्था के सेवादार अक्सर अपने जीवन में यादगार लम्हों पर परहित में कुछ ना कुछ कार्य करते रहते हैं।इस कड़ी में की सेवा के दौरान संस्था के सेवादार सुभाष, निवासी धर्म नगरी के बेटे मोहित द्वारा अपने जन्मदिन के मौके पर सड़क किनारे एलेस्टोनिया का पौधा लगाया गया है। इसी तरह संस्था के सेवादार दविंदर सिंह रावत ने अपने जन्मदिन पर नई अनाज मंडी में सड़क किनारे पीपल का पौधा लगाया है और इन पौधों पर ट्री गार्ड फिट किए गए हैं ताकि इनका पशुओं से बचाव हो सके। मानव सेवा समिति के प्रमुख सेवादार सुभाष मानव ने बताया

कि बीते रविवार की सेवा के दौरान सुभाष (पीएसपीसीएल) द्वारा अपने बेटे मोहित के जन्मदिन पर पौधारोपण की इच्छा प्रकट की गई थी। इसी तरह दविंदर सिंह रावत द्वारा पौधा लगाने का विचार पेश किया गया था। दोनों सेवादारों का विचार तब साकार हुआ जब नई अनाज मंडी एरिया में सड़क किनारे एलेस्टोनिया और पीपल के पौधे लगाकर ट्री गार्ड फिट किए गए हैं। जिक्रयोग है कि दोनों ही सेवादार रेगुलर हैं और खासतौर पर पर्यावरण संभाल सेवा में शामिल रहते हैं तथा अन्य लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत का कार्य करते हैं। दविंदर सिंह रावत के बारे में एक बात और जिक्र करने लायक है कि पिछले साल भी उन्होंने अपने जन्मदिन पर फाजिल्का रोड़ पर सड़क किनारे पीपल का पौधा लगाया था जो अभी भी तंदुरुस्त हालत में मौजूद है। दोनों सेवादारों द्वारा मानव सेवा समिति का धन्यवाद दिया गया जिसके माध्यम से उनका विचार असलियत में बदला है। आज की सेवा के दौरान एक सराहनीय पहलू रहा कि सुभाष (पीएसपीसीएल) के बच्चे बेटा मोहित और बेटी पलक भी साथ में आए थे, जिन्होंने बड़े शौक से अपने पिता के साथ सेवा कार्य किया।मानव सेवा समिति की तरफ से दोनों शख्सियतों सहित उनके परिवार को शुभकामनाएं दी जाती है तथा सबके खुशी और तंदुरुस्ती भरे जीवन की प्रार्थना की जाती है।

मुजफ्फरनगर मीडिया क्लब की बैठक में पत्रकारों की कई समस्याओं पर हुआ विचार

पत्रकार सुरक्षा विधेयक को लेकर सड़क से संसद तक होगा संघर्ष: मुशर्रफ सिद्दीकी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन मुजफ्फरनगर। गत दिवस जनपद मुजफ्फरनगर के पत्रकारों की एक अहम बैठक नगर के रुड़की रॉड इस्थित यूनिक प्लाजा काम्प्लेक्स में संपन्न हुई। जिसमें पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही वर्ष 2022, 23 के लिये सर्व सम्मति से दैनिक अमन के सिपाही के सम्पादक मुशर्रफ सिद्दीकी को अध्यक्ष, दिव्या छाया के संपादक ठाकुर योगेश सिंह कुशवाहा को महासचिव एवम दैनिक बुलंद भारत के जिला प्रभारी अनवर हसन को कोषाध्यक्ष चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष मुसर्रफ सिद्दीकी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकार सुरक्षा विधेयक को पारित कराने के लिये सड़क से संसद तक संघर्ष होगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार सुरक्षा विधेयक पारित होना पत्रकारों की जरूरत है। जिसके लिये मुजफ्फरनगर की सर जमी से ही बिगुल बजेगा। सभी पत्रकारों को आस्वस्त किया कि पत्रकारों की हर समस्याओं के लिये हर वह हर समय उनके साथ खड़े है। बैठक में शाहिद सऊद, राहुल त्यागी,

इस्तफा हुसेन, शाहिद सेफ, अरशद अब्बासी, तस्लीम खान,शौकीन अली, आदेश सैनी, अब्दुल आहद राणा, अरशद मंसूरी, डॉ राईस अल्वी,फरमान अब्बासी, अमन वफा, डॉ शाहनवाज खान, सादिक अनवर, शाहिद अब्बासी, सचिन शर्मा, सचिन सैनी, मोहम्मद आफन, योगेश कुमार, नदीम त्यागी, सय्यद हुसेन डॉ सादाब आदि सहित भारी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। वही दूसरी ओर कार्यकरणी के गठन करने पर नवनियुक्त अध्यक्ष को जिम्मेदारी दी गई।

कानपुर में नंदनी मीठी सहित सैकड़ों नन्ही मुन्नी बहनों ने भाइयों को रक्षा सूत्र बांध मनाया त्योहार

संवाददाता/सुनील बाजपेई / कानपुर। भाई-बहन के प्रेम पर्व रक्षाबंधन का त्योहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर पारंपरिक रस्मों को निभाते हुए बहनों ने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध उनसे रक्षा का वचन भी लिया। इसके लिए बहनों ने शुभ मुहूर्त में कुमकुम, अक्षत, रक्षा सूत्र, मिठाई, सूखा नारियल से पूजा का थाल सजाया। इसके बाद भाई के माथे पर प्रेम का टीका लगा, आरती उतारी रक्षासूत्र बांधा। साथ ही उनकी लंबी उम्र और कामयाबी की कामना भी की। बदले में भाईयों ने भी अपनी प्यारी बहन को उपहार स्वरूप उपहार देकर हमेशा साथ निभाने का वादा किया। इसी क्रम में दबौली की समीक्षा रुची मनोहर राज मिश्रा की बेटी नंदिनी मीठी ने भी भाई समक्ष नंदन मिश्रा और चाचू मनीष मिश्रा मोना को भी तिलक लगा, राखी बांध और मिठाई खिला इस परंपरा का निर्वहन किया। इस अवसर पर दोनों ने बच्ची नंदिनी के पैर छूकर उसका आशीर्वाद भी लिया।

शिक्षा प्रणाली में सुधार क्रांतिकारी कदम हैं: डॉ. सुषमा आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'अमृत महोत्सव की सार्थकता' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 429 वाँ वेबिनार था। वैदिक विदुषी डॉ. सुषमा आर्या ने कहा कि लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति में परिवर्तन कर भारतीय शिक्षा प्रणाली लागू करना प्रधानमंत्री मोदी जी का अत्यंत सराहनीय कदम है इससे नयी पीढ़ी को अपने सही इतिहास को पड़ने वा समझने का अवसर मिलेगा। सेना में उन्नति, विश्व शक्ति के रूप में वृद्धि,राष्ट्रीय भावना का विकास हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में महान वीरों को नमन करते हुए राष्ट्र रक्षा करने का आह्वान किया। महर्षि दयानंद को जिनकी प्रेरणा से 85% से अधिक आर्यों ने देश को आजाद कराने में अपने आप को झोंक दिया।मैं नमन करती हूं वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी जी को जो आजादी के 75वें वर्ष को एक यादगार वर्ष के रूप में आयोजित करने की सुंदर सुरुचिकर योजनाएं बनवाई जिससे युवा पीढ़ी में अपने देश के प्रति वफादारी और प्रेम की वृद्धि हो।प्रधानमंत्री के अथक प्रयास के कारण ही स्वच्छता अभियान, आयुष्मान योजना, भारत प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना,खाता खुलवाना योजना, प्रथम प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, शिक्षा योजना, किसान उत्थान योजना आदि अनेकों योजनाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। जिससे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत अमेरिका और रूस के बाद तीसरे नंबर पर आ गया है। सोलर सिस्टम बनानें में अमेरिका और जापान को पीछे छोड़ दिया है, ऑटो मार्केट में जर्मनी से आगे हो गए हैं। बिजली उत्पादन में भी बहुत तरक्की की है।स्टील उत्पादन में और तरक्की हो रही है,फ्री बिजली पानी को समाप्त करने के लिए बिजली विधेयक बिल लाया गया है बुद्धिमान तथा वैदिक संस्कृति का प्रचार करने वाले वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी जी से कुछ आशाएं हैं। गौ रक्षा आंदोलन में मोदी जी और अधिक सक्रिय हो जाएं सेकुलर शब्द को हटाने के लिए धारा 42 में संशोधन किया जाए तो बहुत अच्छा रहेगा

जहां-जहां मंदिर गुरुद्वारे और आर्य समाज हों वहां पर गुरुकुल अनिवार्य हो जाएं। गुरुकुल शिक्षा को मंदिरों के साथ जोड़ दिया जाए और मंदिरों के धन को गुरुकुल की शिक्षा प्रचार में लगाया जाएं विश्व गुरु बनने की ओर चल पड़े। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विश्व पटल पर अपनी पहचान बनायी है व योग दिवस को अन्तर्राष्ट्रीय पहचान दी है जो सराहनीय हैक मुख्य अतिथि राजेश सेठी व अध्यक्ष सुनील गुप्ता(पूर्व जनसंपर्क अधिकारी केन्द्रीय कारागार) ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं के योगदान कि चर्चा कीक राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने भारत की निरंतर उन्नति पर प्रसन्नता व्यक्त की। गायिका प्रवीना ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, कमलेश चांदना,जनक अरोड़ा, कौशल्या अरोड़ा, शोभा बत्रा, सुदर्शन चौधरी, रजनी चुग, सुनीता अरोरा, उषा सूद, ईश्वर देवी आदि के मधुर गीत हुए क उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

भरतपुर में राष्ट्रीय मीणा महासभा ने सवा सौ प्रतिभाओं का सम्मान किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राष्ट्रीय मीणा महासभा के द्वारा आज यूआईटी ऑडिटोरियम में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जानकारी देते हुए भूपेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में समाज के करीब सवा सौ प्रतिभाओं का सम्मान किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीपल्दा विधायक एवं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रामनारायण मीणा रहे बतौर विशिष्ट अतिथि महवा विधायक ओमप्रकाश हुडला उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय मीणा महासभा के राष्ट्रीय महासचिव इंजीनियर सिंह मीणा ने की जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में प्रतिभाओं का प्रशस्ति पत्र, पेन ड्राइव, बैग, स्मृति चिन्ह, पेन कॉपी, व 11 सो रुपए चैक राशि देकर सम्मान किया गया इस अवसर पर डॉ. योगेंद्र सिंह,विजेंद्र सिंह, राजेंद्र, डॉ.विशंबर, रामअवतार ठेकेदार, महेश ठेकेदार, रामफल झारोटी, राजू मीणा, यतेंद्र

मीना, हरवीर सिंह उनापुर, धीरेन्द्र, जितेंद्र मीणा, चंद्र प्रकाश मीणा, तिवेश महर, बाबू राम रॉफ,राम कैलाश मीणा जालूकी, मुकेश गिरदावर, भरत सिंह पिचूमर, अजीत सिंह, बने सिंह वकील रामस्वरूप वकील डॉ. करण सिंह ओमप्रकाश उपप्रधान, महिलाअध्यक्ष प्रो अनीता मीणा, आर डी मीना, कांग्रेस प्रकोष्ठ की सावित्री मीणा, हरकिशन चक मीना, बाबूलाल मास्टर, अशोक महाराजसर, सहदेव सिंह सेवला,किशन सिंह खातीपुरा, निहाल सिंह, वीरेन्द्र सिंह, राजीव, मेवाराम सहित समाज के बहुत से गणमान्य नागरिकों ने शिरकत की बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए रामनारायण मीणा ने कहा शिक्षा ही आप का एकमात्र ऐसा हथियार है जिससे आप किसी भी तरीके का युद्ध जीत सकते हैं,महवा विधायक ओमप्रकाश हुड़ला ने कहा शिक्षा वह शेरनी का दूध है जिसको जो जितना ज्यादा पिएगा वह उतना ही ज्यादा दहाड़ेगा, सभी वक्ताओं ने अपनी बात रखी कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट जय सिंह मीणा द्वारा किया गया। अतिथियों का एवं भामाशाह का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया अध्यक्ष युवा संघ में अध्यक्ष ने सभी को धन्यवाद का पद का आभार प्रकट किया। उक्त जानकारी भूपेंद्र सिंह मीना ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शिवगंज में आजादी का अमृत महोत्सव देशभक्ति गीत की बैठक संपन्न

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राज्य सरकार के निर्देशानुसार 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम दिनांक 12 अगस्त 2022 को प्रात 10:15 बजे से राजस्थान राज्य के समस्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित समयावधि में देशभक्ति गीतों का कार्यक्रम राज्य, जिला एवं ब्लॉक तथा विद्यालय स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत ब्लॉक स्तर कार्यक्रम कमेटी अध्यक्ष श्रीमान भागीरथ राम चौधरी उपखंड अधिकारी शिवगंज की अध्यक्षता में उपखंड कार्यालय में पूर्व तैयारी हेतु बैठक का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार कार्यक्रम कमेटी सचिव मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री अशोक कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। ब्लॉक मुख्यालय के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालय के खेल मैदान में प्रात 9:30 बजे आगमन होगा। सरस्वती वन्दना, दीप प्रज्वलन पश्चात ठीक 10:15 से देशभक्ति गीतों का गायन विभागीय निर्देशानुसार क्रमशः राष्गीत (वंदे मातरम), सारे जहां से अच्छा हिंदोस्ता हमारा आओ

बच्चों तुम्हें दिखाएं झांकी हिंदुस्तान की, झंडा ऊंचा रहे हमारा, हम होंगे कामयाब और अंत में राष्ट्रगान के साथ समापन होगा। पंचायत स्तर पर स्थित विद्यालयों में भी यह कार्यक्रम आयोजित होंगे। उक्त कार्यक्रम की उपस्थिति शाला दर्पण के माध्यम से की जाएगी। ब्लॉक मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में राउमावि शिवगंज, पुलिस थाना, नगर पालिका शिवगंज द्वारा आवश्यक व्यवस्था की जाएगी। उक्त बैठक में शिवगंज शहर की समस्त राजकीय व निजी विद्यालय के संस्थाप्रधान, अधिशाषी अधिकारी श्री नीलकमल सिंह, धर्मेन्द्र गहलोत शारीरिक शिक्षक, धीसूलाल सुथार कार्यवाहक यूसीईईओ हनवन्त सिंह प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

देवखेड़ा स्कूल का नामकरण केसरी सिंह बारहठ के नाम की स्वीकृति जारी, पुण्यतिथि समारोह 14 को होगा

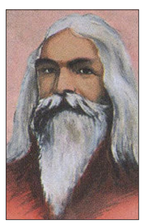

मुंबई हलचल/भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले की शाहपुरा तहसील में क्रान्तितीर्थ स्मारक समिति देवखेड़ा के तत्वावधान में 14 अगस्त रविवार को महान क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहठ की पुण्यतिथि समारोह का आयोजन उनके पैतृक गांव देवखेड़ा स्थित राऊप्रा विद्यालय में किया जायेगा। बारहठ के पैतृक गांव स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय का नामकरण भी क्रांतिकारी केसरी सिंह बारहठ के नाम पर करने की स्वीकृति शिक्षा विभाग के निदेशक आईएएस गौरव अग्रवाल ने 10 अगस्त को जारी कर दी है। निदेशक ने भीलवाड़ा के जिला कलेक्टर को लिखे पत्र में यह स्वीकृति जारी करते हुए विभाग की ओर से अनापत्ति प्रमाण जारी किया है। अब जिला कलेक्टर की अभिशंसा पर राज्य सरकार की ओर से केबिनेट में नामकरण करने की औपचारिक घोषणा की जायेगी। यह मांग लंबे समय से विचाराधीन थी। स्वीकृति जारी होने पर शाहपुरा में हर्ष की लहर दौड़ गयी है। क्रान्तितीर्थ स्मारक समिति देवखेड़ा के प्रवक्ता कैलाश सिंह जाड़ावत ने बताया कि इस मौके पर देवखेड़ा में रविवार को प्रातः 11 बजे आयोजित समारोह में मेरा गांव मेरी धरोहर बोर्ड का लोकार्पण होगा। आजादी के अमृत महोत्सव पर बारहठ केसरी सिंह जी की जन्म स्थली पर 150 पौधों का पौधरोपण किया जायेगा। यहां पर तिरंगा फहराने के साथ ही पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं सम्मान तथा अभिनन्दन समारोह होगा। जाड़ावत ने बताया कि देवखेड़ा स्कूल में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि शाहपुरा की उपखंड अधिकारी सुनिता यादव होंगी। इसके अलावा कार्यक्रम में नारायण लाल जीनगर तहसीलदार, कर्ण सिंह पुलिस उपाधीक्षक शाहपुरा, उप प्रधान जनककंवर राणावत, डाबला कचरा सरपंच, ध्रुव कुमार कविया उदयपुर, सुरेंद्र सिंह लखावत श्री संस्थान, मनोज मिश्रण दिल्ली, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दिलीप गुर्जर, राजेश सोलंकी(पार्षद), बालूराम कुमावत (भाजपा मण्डल अध्यक्ष), प्रह्लाद सनाढ्य, केसरी सिंह बारठ स्मारक समिति के संयोजक कैलाश व्यास सहित अन्य प्रतिनिधि मोजूद रहेंगें। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बिहार में दिनदहाड़े पत्रकार की गोली मारकर हत्या

पत्रकारों पर हो रहे हमले बहुत ही चिंताजनक – इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बिहार, जमुई। इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव मो. जहांगीर ने कहा कि उन्होंने प्रदेश व देश मे आये दिन पत्रकारों की हत्या, हमले ओर उत्पीड़न की घटनाओं को रोकें जाने की मांग राज्य व केंद्र सरकार से की मगर सरकार इस तरफ ध्यान नही दे रही हैं। पत्रकार अपनी जान जोखिम में डालकर कार्य करता हैं। देश मे पत्रकार उत्पीड़न की सबसे ज्यादा घटनाए उत्तर प्रदेश में हो रही हैं। इस घटना की भी इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (इरा) निंदा करती हैं। ओर जल्द से जल्द हत्यारे गिरफ्तार होने चाहिए। पत्रकार को खुले आम बाइक सवार शूटर्स ने मारी पांच गोलियां बिहार के जमुई में अपराधियों

मृतक पत्रकार गोकुल यादव

ने दिनदहाड़े एक दैनिक अखबार के पत्रकार को गोली मारकर हत्या कर दी। अपराधियों ने पत्रकार को सीने और सिर में पांच गोलियां मारी हैं। घटना जिले सिमुलतल्ला थाना इलाके की है। बाइक सवार अपराधियों ने पत्रकार को घर से एक किलोमीटर की दूरी गोपालामारण गांव के पास गोली मारी। मृतक पत्रकार का नाम गोकुल यादव है जो सिमुलतला इलाके के लीलावरण गांव का रहने वाला था। बीएसपीएस बिहार इकाई की ओर से जमुई के वरिष्ठ पत्रकार अशोक सिन्हा दिवंगत पत्रकार के आवास पहुंचें। इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन ओर बीएसपीएस बिहार इकाई ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

शाहपुरा में हिंदू जागरण मंच आज मनाएगा अखंड भारत संकल्प दिवस

मुंबई हलचल /भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा कस्बे में 13 अगस्त को हिंदू जागरण मंच द्वारा अखंड भारत दिवस मनाने का संकल्प कार्यक्रम किया जाएगा हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक हनुमान धाकड़ ने बताया कि 13 अगस्त को साए 6:15 पर त्रिमूर्ति चौराहा शाहपुरा मैं सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा 1100 दीपक जलाकर फिर से भारत को अखंड बनाने का संकल्प लिया जाएगा इसमें हिंदू जागरण मंच के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारीगण, हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी, शाहपुरा नगर वासी, वरिष्ठ नागरिक, पूर्व सैनिक, विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल होंगे। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

मध्यप्रदेश में कलेक्टरों के विरुद्ध पत्रकारों ने खोला मोर्चा, जबरदस्त आक्रोश

तुगलगी फरमान को लेकर प्रशासन और पुलिस से हुआ था पत्रकारों का पंगा, राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़ / मुकेश शर्मा

राजस्थान। पिछले 7 दिनों से लगातार पुलिस और प्रशासन के खिलाफ आंदोलन कर रहे पत्रकारों ने एकत्रित होकर मुरैना कलेक्टर को हटाने की मांग को लेकर राज्यपाल के नाम अपर आयुक्त राजेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा साथ ही सूबेदार मलखान सिंह को बर्खास्त करने के लिए पुलिस महानिदेशक के नाम पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी को ज्ञापन सौंपा और पांचवे दिन शाम को मशाल जलूस निकाल कर मुरैना कलेक्टर की कार्यप्रणाली के विरुद्ध प्रदर्शन किया। ज्ञात हो कि ग्वालियर और मुरैना नगर में नगर निगम के सभापति चुनाव के दौरान मुरेना कलेक्टरों ने तुगलगी फरमान जारी कर पत्रकारों को परिसर में आने से प्रतिबंधित कर दिया गया था ग्वालियर में तो पत्रकार अपमान सहन कर गये पर मुरैना में मामला तूल पकड़ गया और पत्रकारों ने गेट पर अपने कार्ड लटका कर विरोध करना शुरू कर दिया ।सभी पत्रकार शांति पूर्वक विरोध कर रहे थे। तभी पुलिस के सूबेदार मलखान सिंह ने पत्रकारों से अभद्रता कर धक्का मुक्की कर दी। उसके बाद समस्त पत्रकारों ने सूबेदार मलखान सिंह को बर्खास्त कर मुरैना कलेक्टर को हटाने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया जो दिन प्रतिदिन उग्र स्वरूप लेता जा रहा है और पिछले सात दिनों से प्रशासनिक खबरों को प्रकाशित नहीं किया जा रहा है। केवल जनहित की खबरें प्रकाशित की जा रही है। पत्रकारों में अक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। पत्रकारों के आंदोलन को प्रदेश भर के पत्रकारों के जनसमर्थन के साथ अन्य समाज सेवियों, नेताओं, संगठनों का समर्थन मिलता जा रहा है।

मुरेना कलेक्टर कार्तिकेयन ने की न्यायालय के निर्देशों की अवमानना।

जौरा शहर के मध्य स्थित सरकारी मिल्कियत की बेशकीमती औकाफ भूमि की आपने राजनैतिक प्रभाव से नोईयत बदलबाकर उस पर दुकानें बनाने एवं उनके

विक्रय में अनुचित लाभ प्राप्त करने के मामले में मुरैना कलेक्टर कोई फैसला क्यों नहीं कर रहे? दबाव में या प्रभाव में? यह मामला कलेक्टर न्यायालय में विगत लगभग 3 वर्षों से लंबित है। जबकि मामले का निराकरण के लिए उच्च न्यायालय कुछ माह पूर्व ही कलेक्टर मुरैना को निर्देश दे चुका है। उल्लेखनीय है कि पटवारी हल्का क्रमांक 24/2 की भूमि सर्वे क्रमांक 422 कस्बे के मध्य स्थित उपाय बेशकीमती भूमि है यह भूमि संवत 2026 से 2029 तक राजस्व अभिलेखों में औकाफ भूमि मिल्कियत सरकारी के रूप में दर्ज थी। उल्लेखित भूमि को तत्कालीन मार्केटिंग सोसायटी अध्यक्ष एवं वर्तमान विधायक द्वारा राजस्व अधिकारियों से सांठगांठ कर राजस्व अभिलेखों में मार्केटिंग सोसायटी की मिल्कियत के रूप में अंकित करा दिया है। पूर्व विधायक जोरा महेश दत्त मिश्र द्वारा उच्च न्यायालय में रिट पिटीशन दायर की। पिटीशन निराकरण करते हुए न्यायालय ने पिटीशन कर्ता को कलेक्टर कार्यालय भेजा लेकिन न्यायालय के आदेश को भी कलेक्टर महोदय नहीं माना और मामला पेंडिंग रहा।

मुरेना कलेक्टर कार्तिकेयन से पूर्व में भी हो चुका है पत्रकारों का विवाद।

नगरीय निकाय निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान शासन के आदेश पर मुरैना कलेक्टर द्वारा न्यू कलेक्ट्रेट परिसर में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया लेकिन पोलिंग बूथ पर भारी व्यवस्थाओं का बखान करने वाले कलेक्टर साहेब भीषण गर्मी में की गई प्रेस वार्ता में पानी तक की व्यवस्था करना भूल गए । जिस पर कुछ पत्रकार साथियों ने कलेक्टर साहब के चैंबर में जाकर सवाल जवाब शुरू कर दिए कि जब यहां पीने के लिए पानी तक की व्यवस्था नहीं है तो दूर ग्रामीण क्षेत्रों में क्या व्यवस्था करोगे । इस पर कलेक्टर साहब ने उन पत्रकारों की जनसंपर्क अधिकारी से कुंडली मांगना शुरू कर दी और जनसंपर्क अधिकारी को सवाल जवाब करने वाले पत्रकारों के निर्वाचन कार्ड न बनाने की हिदायत दे डाली जिसका शोशल मीडिया पर भारी विरोध हुआ तब जाकर पत्रकारों के निर्वाचन पास जारी हुये।

पन्ना कलेक्टर संजय कुमार मिश्रा को जबलपुर हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

अभी हाल ही में मध्यप्रदेश के जबलपुर हाईकोर्ट ने पन्ना जिला कलेक्टर संजय कुमार मिश्रा को कड़े शब्दों में फटकार लगाई है, कहा है कि 'पन्ना कलेक्टर पॉलिटिकल एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। इनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए. इन्हें पद से हटा देना चाहिए'। जबलपुर हाईकोर्ट ने पन्ना कलेक्टर संजय कुमार मिश्रा को फटकार लगाने के साथ कलेक्टर की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाया है। हाल में पन्ना की गुन्नौर जनपद और जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में अफसरों पर गड़बड़ी के आरोप लगे थे। इसी मामले में कोर्ट में सुनवाई हुई। विगत 27 जुलाई को हुए जनपद पंचायत गुन्नौर में उपाध्यक्ष चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता परमानंद शर्मा ने जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

भिंड कलेक्टर सतीश कुमार एस का तुगलगी फरमान

भिण्ड कलेक्टर सतीश कुमार एस का तुगलगी फरमान है कि जिले के समस्त पत्रकार जिला जनसंपर्क कार्यालय सहित भोपाल जनसंपर्क कार्यालय में अपनी फाइल जमा करेंगे तो साहेब भिण्ड में अब कलैक्टर सुनिश्चित करेंगे कौन पत्रकार है कौन नहीं? कलैक्टर साहब कोई संवाददाता मध्यप्रदेश से बाहर छपने बाले अखबार में काम करता है उसका क्या? अगर अखबार की कॉपी मंगायेगा उसके पैसे आप दोगे? थोड़ा प्रेस एक्ट पढ़ो? जबकि प्रेस एक्ट में भारतीय संविधान के आर्टिकल के अनुसार धारा 19ए क के तहत देश का प्रत्येक नागरिक पत्रकार ही है। पत्रकार का मतलब जो व्यक्ति किसी भी समाचार पत्र को सूचना आदान प्रदान करने का कार्य कर रहा हो। तो क्या प्रत्येक नागरिक आपके हिटलर शाही फरमान के तहत फाइल जमा करेगा?

डेमोक्रेटिक प्रेस क्लब ने उठाये सवाल?

डेमोक्रेटिक प्रेस क्लब के प्रदेशाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने प्रदेश में पत्रकारों की प्रताड़ना पर सवाल उठाते हुए सरकार से सीघ्र ही पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की है श्री शर्मा ने बताया कि संगठन जल्द ही प्रदेश के सभी जिलों में महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देगा। **(जैसा वरिष्ठ पत्रकार मुकेश शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शरीर में शुगर लेवल बढ़ने पर मिलते हैं ये 7 संकेत

शुगर लेवल बढ़ने के संकेत : शरीर में शुगर लेवल का बढ़ना या कम होना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। शुगर लेवल अनकंट्रोल होने पर शरीर के कई ऑगर्न्स डैमेज भी हो सकते है। इसलिए शरीर में शुगर लेवल का सही होना बहुत जरूरी होता है। वैसे तो ज्यादातर यह परेशानी लगातार काम और स्ट्रेस हो सकता है। मार्किट में मिलने वाली कई चीजों में भी बहुत ज्यादा मात्रा में शुगर पाई जाती है, जिसे आप रोजाना लेते है। इसके अलावा घर पर बने भोजन में भी कम से कम 12 चम्मच चीनी की मात्रा होती है, जो सेहत के लिए खतरनाक है। कुछ लोगों को इसकी जानकारी और लक्षण न पता होने के कारण वो इस इसके प्रति सतर्क नहीं हो पाते लेकिन कुछ साधारण संकेतों से पता लगाया जा सकता है कि आप बहुत अधिक मात्रा में शुगर ले रहें है।

शरीर में शुगर का स्तर 70 से 110 मिलीग्राम होना चाहिए। शुगर लेवल 110 से 125 तक होने पर भी घबराने की बात नहीं है लेकिन लेवल इससे ज्यादा बढ़ने पर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप इसके लक्षणों को जानकर शुगर लेवल कंट्रोल करें। तो चलिए जानते है शरीर में शुगर लेवल बढ़ने पर क्या-क्या संकेत मिलते है।

शुगर लेवल बढ़ने के संकेत

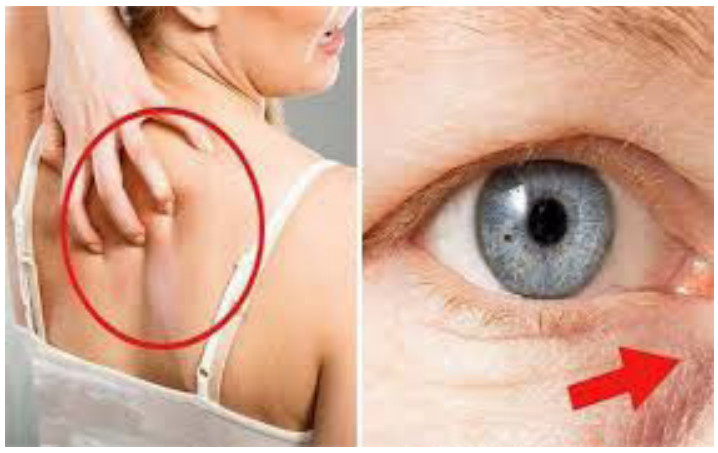

1. त्वचा में झुर्रियां - समय से पहले चेहरे पर झुर्रियों का पड़ना शुगर लेवल बढ़ने का संकेत होता है। इसके साथ-साथ चेहरे पर दाग-धब्बे, मुंहासे और लाल धब्बे पड़ने लगते है।

2. लो एनर्जी - शरीर में शुगर बढ़ने पर आपकी ऊर्जा कम हो जाती है। दरअसल शुगर शरीर की सारी ऊर्जा को सोख लेती है, जिससे आपको थकान महसूस होने लगती है। इससे आप थोड़ी दूर चलने या कोई भी काम करके थक जाते है।

3. सूजन - शरीर में शुगर बढ़ने पर बैक्टीरिया पनपने लगते है। इसके कारण खाना खाने के बाद पेट में दर्द, गैस, पेट का फूलना और पेट में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

4. बार-बार बीमार पड़ना - खून में शुगर लेवल ज्यादा हो जाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। जिससे बार-बार बीमार पढ़ना या चोट का कई दिनों तक ठीक न होना और ज्यादा यूरिन आना की प्रॉब्लम हो जाती है।

5. वजन बढ़ना -शरीर शुगर को ऊर्जा में बदल नहीं पाता, जिसके कारण पेट या कमर के आसापस चर्बी इकट्ठी हो जाती है। इसकी के कारण शरीर में मोटापा बढ़ने लगता है।

6. कमजोर इम्यून सिस्टम - इम्यून सिस्टम का 70% हिस्सा शरीर से बैक्टीरिया को निकालने का काम करता है लेकिन शुगर की मात्रा ज्यादा होने पर यह ठीक से काम नहीं करता। इसी के कारण आपको कब्ज और छोटी-मोटी पेट संबंधित समस्याएं होती रहती है।

7. अनिद्रा - भोजन में शुगर की मात्रा ज्यादा होने पर आपको ठीक से नींद नहीं आती है। इसके अलावा रोजाना अधिक मात्रा में शुगर का सेवन अनिद्रा की समस्या भी पैदा कर सकता है।

काले चने में शहद मिलाकर खाने से मिलेंगे ये फायदे

काले चने का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन के गुणों से भरपूर काले चने को भिगो कर रोजाना खाने से कई बीमारियां दूर होती है। वैसे तो भिगे हुए चने खाने से कई फायदे होते है लेकिन क्या आप जानते है इसमें शहद मिलाकर खाने से इसके फायदे और भी बढ़ जाते हैं। इसका सेवन कई बीमारियों को जड़ से भी खत्म कर देता है। आइए जानते हैं रोजाना भिगे हुए चने में शहद मिलाकर खाने से आपको क्या-क्या फायदे मिलेंगे।

1. कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल
काले चने को रात के समय भिगो कर सुबह इसमें शहद मिलाकर खाएं। रोजाना इसका सेवन कोलेस्ट्राल लेवल कंट्रोल में रखता है। इससे हार्ट प्रॉबल्म का खतरा टल जाता है।

2. किडनी प्रॉब्लम
रोजाना इसका सेवन बॉडी के टॉक्सिन्स दूर करता है। इससे आपको किडनी से जुड़ी सभी प्रॉबल्म से छुटकारा मिल जाता है।

3. कब्ज की समस्या
जिन लोगों को अक्सर कब्ज की समस्या रहती हो उनके लिए यह बहुत फायदोमंद होता है। इसमें मौजूद फाइबर की मात्रा से डाइजेशन सिस्टम ठीक रहता है और आपकी कब्ज की परेशानी दूर होती है।

4. खून की कमी
चने और शहद दोनों में ही भरपूर आयरन होता है इसलिए इसका सेवन करने से शरीर में खून की कमी पूरी हो जाती है।

5. मजबूत हड्डियां
काले चने चबाने से आपकी एक्सरसाइज हो जाती है, जिससे दांतों के साथ हड्डियां भी मजबूत होती है। इसके अलावा इससे आपको बुढ़ापे में किसी तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

6. डायबिटीज
सुबह इसका सेवन ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रखता है, जोकि डायबिटीज मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।
चने को और किस तरह खाने से होगा फायदा?
1. काले चने, सेंधा नमक और काली मिर्च को मिलाकर खाने से कई बीमारियां दूर हो जाती है।
2. काले चने खाने से ही नहीं बल्कि रोजाना इसका पानी पीने से भी कई प्रॉब्लम दूर होती है।

मोटापे से जूझता भारत तीसरे स्थान पर

दुनिया भर मे मोटापा ज्यादातर लोगों के स्वास्थ्य को चुनौती दे रहा है। जिसमे भारत को वर्ल्ड ओवेसिटी फेडरेशन की एक सर्वे रिपोर्ट मे तीसरे स्थान पर आंका गया है। खास कर भारत मे सबसे ज्यादा महिलाओं के मोटापे पर नजरअंदाज किया जाता है। साल 2025 तक 4.83 करोड़ भारतीयों के मोटापे से ग्रसित होने का पूवार्नुमान है। खासकर महिलाओं मे मोटापे पर जीवनशैली से जुड़ी अस समस्या को लोगों के स्वास्थ्य के रूप मे अनदेखा किया जा रहा है।

मुंबई के जानेमानी डायटीशियन जिग्ना सेठ बताती हैं। यह एक चिंता का विषय है। लगातार पोषक आहार और शारीरिक गतिविधियों मे सुधार के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों के बावजूद महिलाओं और अन्य लोगों मे यह लगातार बढ़ता जा रहा है। सेहतमंद जीवन के लिए इसे नियंत्रित करना अत्यावश्यक हो गया है। जिसमे प्रोटीन की अहम भूमिका होती है। महिलाओं के मोटापे दिल की बिमारी से लेकर गर्भधारण तक मे दिक्कत ला सकती है। इसके कई कारण हो सकते हैं। उर्जा का असंतुलन एंडोकाइन मेडिकल स्थितियां और दवाईयों की वजह से भी मोटापा हो सकता है। कुछ लोगों का दुसरों के, मुकाबले बहुत तेजी से मोटापा बढ़

जाता है। यह समय पर नियंत्रण जरूरी बन गया है। जिसके लिए बहुत से लोग स्वस्थ खानपान और सक्रिय रहकर वदन को नियंत्रित कर लेते हैं। सही खानपान मे अनाज, दाल, फल और सब्जियां, कम फैट वाला दुध, चीनी नमक के साथ रिफाइंड चीजों का सीमित प्रयोग कर मोटापा कंट्रोल किया जा सकता है। साथ ही डाईट की अवस्था मे प्रोटीन की प्रचुर मात्रा पर भी ध्यान देने की जरूरत है। इसमे सबसे सुरक्षित पौधों पर आधारित प्रोटीन होता है। क्योंकि यह बेहतर पोषण के साथ बहुत कम कैलोरी देता है।

जिग्ना सेठ बताती हैं। सेहतमंद डाईट के साथ मोटापे पर शारीरिक सक्रियता बहुत जरूरी है। और हम ऐसे तरीके भी अपना सकते हैं, जो प्रभाव दिखाना सुनिश्चित करें। इसमे फूड सप्लीमेंट ऐसा ही एक तरीका है। यह ना सिर्फ सही पोषण प्रदान करता है। साथ ही वजन जैसी समस्या को रोकने मे मदद भी करता है। इसे लेने के लिए पहले न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह लेनी चाहिए।

पौधों पर आधारित प्रोटीन सप्लीमेंट ज्यादा बेहतर विकल्प है। क्योंकि इसे पचाने मे आसानी होती है। जरूरी अमिनो एसिड मॉडल पी डी सी ए ए एस स्कोप फैट व कोलेस्ट्रोल की मात्रा कम और लेक्टोस नही होता। भारत मे मोटापा ऐसी महामारी बनता जा रहा है, जो एक बड़ी जनसंख्या को अपनी चपेट मे ले रहा है, जिसे दूर करने के लिए अपने सेहत के प्रति जिम्मेदारी लेनी होगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कभी ईद कभी दीवाली से कटा शहनाज गिल का पत्ता?

सलमान खान और शहनाज गिल को लेकर कुछ ऐसी खबरे सामने आ रही जिन पर विश्वास कर पाना भी मुश्किल है। इन दोनों की बॉन्डिंग कितनी अच्छी है ये तो कई मौको पर देखने को मिला। कभी सलमान, शहनाज को गले लगाकर रोते दिखाई दिए तो कभी भीड़ मे इम्पोर्टेंस देते हुए नजर आये। लेकिन अब जो रिपोर्ट्स सामने आई है उनके मुताबिक अब सलमान और शहनाज के बीच कुछ अनबन चल रही है। यहाँ तक कि सलमान की फिल्म 'कभी ईद कभी दीवाली' से भी शहनाज को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। दरअसल, सलमान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कभी ईद कभी दीवाली' की शूटिंग में बिजी हैं। ये फिल्म पहले इस बात को लेकर खूब चर्चा में रही कि सलमान की इस फिल्म से उनकी जीजा आयुष शर्मा को किन्हीं कारणों से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है और अब ये फिल्म शहनाज गिल को लेकर कई दिनों से चर्चा में हैं। इस बात की खूब चर्चा हो रही है कि शहनाज गिल को सलमान की फिल्म कभी ईद कभी दीवाली से निकाल दिया गया है। लेकिन ताजा रिपोर्ट्स में इस खबर की सच्चाई सामने आई है। ना सिर्फ फिल्म से निकाले जाने को लेकर बल्कि शहनाज ने जो सलमान को सोशल मीडिया पर अनफॉलो किया है उसकी चर्चाओं ने भी सुर्खियां बंटोरी है। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने इन सब रिपोर्ट्स का खंडन किया है। रिपोर्ट की मानें तो ये सब अफवाहें हैं।

सोनम कपूर के इस जवाब ने उड़ाए सबके होश

करण जोहर का पॉपलुर चैट शो 'कॉफी विद करण 7' लोगों के एक्साइटमेंट लेवल को अपने हर एक एपिसोड के साथ बढ़ा रहा है। 'कॉफी विद करण' में फिल्मी सितारों के पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातों को जानने में लोगों को काफी मजा आता है। शो के लेटेस्ट एपिसोड में एक्टर आमिर खान करीना कपूर खान के साथ पहुंचे थे। इस एपिसोड को लोगों ने खूब पसंद किया। आमिर और करीना के बाद शो के रक्षाबंधन स्पेशल एपिसोड में सोनम कपूर और अर्जुन कपूर की जोड़ी आने वाली है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे है। 'कॉफी विद करण 7' के अपकमिंग एपिसोड में सोनम कपूर और अर्जुन कपूर पहली बार एक साथ आने वाले है। इससे पहले भी दोनों शो में आ चुके है लेकिन ऐसा पहली बार होगा कि यह भाई बहन की जोड़ी एक साथ शो में आने वाली है। हाल ही में 'कॉफी विद करण 7' के अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो सामने आया है, जिसमें सोनम कपूर और अर्जुन कपूर शो के होस्ट करण जोहर के साथ काफी मस्ती करते नजर आ रहे है। साथ ही प्रोमो को देखकर तो लगता है कि सोनम अपने भाई को लेकर कुछ जबरजस्त खुलासे करने वाली है। करण जोहर ने अपने इंस्टाग्राम पर शो के अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो शेयर किया है, जो काफी मजेदार और धमाकेदार लग रहा है। इस दौरान सोनम अर्जुन को लेकर ऐसी बात कहती है, जिसे सुनकर अर्जुन के साथ साथ करण भी हैरान हो जाते है। सोनम कपूर एक के बाद एक ऐसी बात बोलती है जिसे सुनकर अर्जुन भी कहने लगते है कि लगता है शो पर उन्हें सोनम की ओर से ट्रोल होने के लिए बुलाया गया है।

जाह्नवी कपूर ने इस वजह से खुद को बताया भाग्यशाली

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर इस समय की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। एक्ट्रेस की एक झलक पाने के लिए फैंस बेताब रहते हैं जाह्नवी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। फैंस भी सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की हर फोटो और वीडियो को खूब पसंद करते हैं। हाल ही में जाह्नवी में अपने और अर्जुन कपूर के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान जाह्नवी ने अब तक के सबसे खास रक्षा बंधन की यादें भी शेयर की। बता दें कि अर्जुन और उनकी बहन अंशुला कपूर बोनी कपूर की फर्स्ट वाइफ मोना के बच्चे हैं। वहीं जाह्नवी और खुशी दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटियां हैं, जिनसे बोनी ने साल 1996 में शादी की थी। साल 2018 में श्रीदेवी के असामयिक निधन के बाद बोनी कपूर के चारों बच्चों के बीच बॉन्डिंग काफी मजबूत हो गई है। जाह्नवी कपूर ने अपनी फैमली और रक्षा बंधन के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि रक्षाबंधन का त्योहार उनके लिए काफी स्पेशल होता है कि क्योंकि उस दिन पूरा परिवार एक जगह पर इकट्ठा होता है। हम साथ में हंसी मजाक करते हैं और खाना खाते हैं। पूरा परिवार अक्सर संजय कपूर, अनिल कपूर या उनकी दादी के घर पर इक्ट्ठा होता है। इसी के साथ जाह्नवी कपूर ने बताया कि उनके लिए सबसे स्पेशल रक्षाबंधन वह था जब उन्होंने अर्जुन को राखी बांधी थी। हालांकि इस बात को ज्यादा समय नहीं हुआ है। इस बीतचीत में उन्होंने कहा कि वह बहुत भाग्यशाली है जो उन्हें अर्जुन कपूर जैसा भाई मिला है।